Series OSS

Code No. कोड नं. **29/1**

Roll No. रोल नं. | | | | | | | |

परीक्षार्थी कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें ।

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **8** हैं ।
- प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें ।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में **14** प्रश्न हैं ।
- **कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें ।**
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है । प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जायेगा । 10.15 बजे से 10.30 बजे तक छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे ।

हिन्दी (ऐच्छिक)

HINDI (Elective)

निर्धारित समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

Time allowed : 3 hours *Maximum Marks : 100*

खण्ड क

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

आधुनिक युग में व्यक्तिवादी प्रवृत्तियों के कारण सौंदर्य को वस्तु या दृश्य में नहीं, देखने वाले की दृष्टि और उसकी सौंदर्य-चेतना में अवस्थित माना जाता है । अतः आज का कवि असुंदर में सुंदर, लघु में विराट या अचेतन में चेतन के दर्शन करता है । जीवन और जगत् का कोई भी विषय उसके लिए असुंदर नहीं है । वह मानवीय भावनाओं या काल्पनिक संसार पर ही नहीं, ठोस भौतिक-प्राकृतिक पदार्थों एवं मानव के साथ-साथ चींटी, छिपकली, चूहे, बिल्ली जैसे विषयों पर भी सहज भाव से रचना करता है । उसे तो क़दम-क़दम पर विषयों के चौराहे मिलते हैं और वह उन पर महाकाव्य रचने का आमंत्रण पाता है ।

कविता यद्यपि उपदेश देने के लिए नहीं लिखी जाती, तथापि उसका एक उद्देश्य हमारे भावों-विचारों को उदात्त बनाना, उनमें परिष्कार कर उन्हें जनोपयोगी बनाना भी है । जीवन के घात-प्रतिघातों और मन की विविध उलझनों को कवि इस प्रकार प्रस्तुत करता है कि पाठक को अनायास ही कुटिलता, क्रूरता, दंभ, नीचता जैसे दुर्गुणों से वितृष्णा हो जाती है और सद्‌गुणों के प्रति आकर्षण बढ़ जाता है । भावों और विचारों की उच्चता से काव्य में भी गरिमा आती है क्योंकि सद्विचारों की अभिव्यक्ति स्वतः काव्य को ऊँचा उठा देती है । इसीलिए बहुधा महापुरुषों, जननायकों के जीवन को आधार बनाकर काव्य-रचना की जाती है । दूसरी ओर मूक प्रकृति की शोभा या अबोध शिशु के सौंदर्य की प्रशंसा में लिखी गई पंक्तियाँ भी पाठक के मन में यह प्रभाव छोड़ जाती हैं कि सरल-सहज जीवन भी आकर्षक और आनंददायक हो सकता है । कविता की प्रेरणाप्रद पंक्तियाँ निराशा में आशा का संचार कर सकती हैं और डूबते का सहारा बन सकती हैं । यही कारण है कि कबीर, रहीम, तुलसी आदि की अनेक पंक्तियाँ सूक्ति बन गई हैं जिनका सार्थक प्रयोग अनपढ़ ग्रामीण भी करते हैं ।

(क) सौंदर्य की स्थिति कहाँ मानी जाती है ? *1*

(ख) आज का कवि कैसे विषयों पर रचना करता है ? *1*

(ग) आशय स्पष्ट कीजिए : 'उसे तो क़दम-क़दम पर विषयों के चौराहे मिलते हैं ।' *2*

(घ) कविता का उद्देश्य क्या है ? *1*

(ङ) कविता किनके प्रति कैसे वितृष्णा जगाती है ? *2*

(च) महापुरुषों को काव्य का विषय क्यों बनाया जाता है ? *1*

(छ) कुछ कवियों की काव्य-पंक्तियाँ सूक्तियों के रूप में क्यों प्रयुक्त होती हैं ? *1*

(ज) कविता में गरिमा कैसे आती है ? *1*

(झ) कविता से प्राप्त प्रेरणा हममें क्या परिवर्तन ला सकती है ? *1*

(ञ) इस गद्यांश के लिए एक उपयुक्त शीर्षक दीजिए । *1*

(ट) निम्नलिखित में उपसर्ग और प्रत्यय अलग कीजिए : *1*

अनायास, व्यक्तिवादी ।

(ठ) निम्नलिखित शब्दों के पर्याय गद्यांश से ढूँढ़कर लिखिए : *1*

घमंड, वाचाल ।

(ड) 'कविता की प्रेरणाप्रद पंक्तियाँ निराशा में आशा का संचार कर सकती हैं ।' इस वाक्य को मिश्रवाक्य-रचना में बदलकर लिखिए । *1*

2. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : *1×5=5*

सोने चाँदी से नहीं किन्तु
तुमने मिट्टी से किया प्यार ।
हे ग्राम-देवता ! नमस्कार ।
जन-कोलाहल से दूर
कहीं एकाकी सिमटा-सा निवास,
रवि-शशि का उतना नहीं
कि जितना प्राणों का होता प्रकाश,
श्रम-वैभव के बल पर करते हो
जड़ में चेतन का विकास,
दानों-दानों से फूट रहे
सौ-सौ दानों के हरे हास,
यह है न पसीने की धारा
यह गंगा की है धवल धार,
हे ग्राम-देवता ! नमस्कार !
तुम जन-मन के अधिनायक हो
तुम हँसो कि फूले-फले देश
आओ, सिंहासन पर बैठो
यह राज्य तुम्हारा है अशेष ।
उर्वरा भूमि के नये खेत के
नये धान्य से सजे देश,
तुम भू पर रहकर भूमि-भार
धारण करते हो मनुज-शेष
अपनी कविता से आज तुम्हारी
विमल आरती लूँ उतार !
हे ग्राम-देवता ! नमस्कार !

(क) किस विशेष गुण के कारण कवि ग्राम-देवता को प्रणाम करता है ?

(ख) ग्राम-देवता के निवास की क्या विशेषता है ?

(ग) किसान के पसीने को कवि 'गंगा की धवल धार' क्यों मानता है ?

(घ) कवि किसान को कहाँ बिठाना चाहता है और क्यों ?

(ङ) आशय स्पष्ट कीजिए — 'तुम भू पर रहकर भूमि-भार
धारण करते हो मनुज-शेष'

अथवा

पहले से कुछ लिखा भाग्य में
मनुज नहीं लाया है,
अपना सुख उसने अपने
भुजबल से ही पाया है ।

प्रकृति नहीं डर कर झुकती है
कभी भाग्य के बल से,
सदा हारती वह मनुष्य के
उद्यम से, श्रमजल से ।

ब्रह्मा का अभिलेख पढ़ा —
करते निरुद्यमी प्राणी
धोते वीर कु-अंक भाल का
बहा भ्रुवों से पानी ।

भाग्यवाद आवरण पाप का
और शस्त्र शोषण का,
जिससे रखता दबा एक जन
भाग दूसरे जन का ।

पूछो किसी भाग्यवादी से,
यदि विधि-अंक प्रबल है,
पद पर क्यों देती न स्वयं
वसुधा निज रतन उगल है ?

(क) कैसे लोग भाग्यवादी होते हैं ?

(ख) प्रकृति मनुष्य के आगे कब और क्यों झुकती है ?

(ग) कवि ने भाग्यवाद को 'शोषण का शस्त्र' क्यों कहा है ?

(घ) "धोते वीर कु-अंक भाल का
बहा भ्रुवों से पानी" —
उपर्युक्त पंक्ति का अर्थ स्पष्ट कीजिए ।

(ङ) काव्यांश के मूल संदेश को अपने शब्दों में स्पष्ट कीजिए ।

खण्ड ख

3. निम्नलिखित विषयों में से किसी ***एक*** विषय पर निबंध लिखिए : *10*

(क) बाल मज़दूरी : समस्या और समाधान

(ख) मोबाइल बिना सब सूना

(ग) धूम्रपान : जीवन के लिए घातक

(घ) प्रगति की ओर भारत के क़दम

4. आपके बैंक में कुछ नए कर्मचारियों के आ जाने से ग्राहक-सेवा के स्तर में सुधार आ गया है । इसके कुछ उदाहरण देकर बैंक के मुख्य-प्रबंधक को उन कर्मचारियों की प्रशंसा करते हुए पत्र लिखिए । *5*

अथवा

'यूनिसेफ़' के एक सर्वेक्षण में पाया गया है कि आज भी विश्वभर में सबसे अधिक बाल-विवाह भारत में होते हैं । इसके कारणों की चर्चा और रोकथाम के कुछ सुझाव देते हुए किसी प्रतिष्ठित समाचार-पत्र के संपादक को पत्र लिखिए ।

5. रेडियो के लिए समाचार-लेखन में किन-किन बुनियादी बातों का ध्यान रखना आवश्यक है ? सोदाहरण उल्लेख कीजिए । *5*

अथवा

इंटरनेट पत्रकारिता सूचनाओं को तत्काल कैसे उपलब्ध कराती है ? उदाहरण-सहित स्पष्ट कीजिए ।

6. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक-दो वाक्यों में दीजिए :

(क) खोजी रिपोर्ट (इन्वेस्टीगेटिव रिपोर्ट) क्या होती है ? इसका इस्तेमाल कब किया जाता है ? *1*

(ख) संपादकीय लेखन से क्या तात्पर्य है ? इसे लिखने का अधिकार किसे है ? *1*

(ग) भारत में समाचार-पत्रकारिता का प्रारम्भ कब और किससे हुआ ? *1*

(घ) हिन्दी में प्रसारण करने वाले किन्हीं दो टी.वी. समाचार-चैनलों के नाम लिखिए । *1*

(ङ) टेलीविजन को जनसंचार का सबसे अधिक लोकप्रिय माध्यम क्यों कहा गया है ? *1*

7. निम्नलिखित काव्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : *8*

तरिवर झरै झरै बन ढाँखा । भइ अनपत्त फूल फर साखा ॥
करिन्ह बनाफति कीन्ह हुलासू । मो कहँ भा जग दून उदासू ॥
फाग करहि सब चाँचरि जोरी । मोहिं जिय लाइ दीन्हि जसि होरी ॥
जौं पै पियहि जरत अस भावा । जरत मरत मोहि रोस न आवा ॥
रातिहु देवस इहै मन मोरें । लागौं कंत छार ? जेऊँ तोरें ॥

अथवा

जैसे शमी वृक्ष के तने से टिककर
न पहचानने में पहचानते हुए विदुर ने धर्मराज को
निर्निमेष देखा था अंतिम बार
और उनमें से उनका आलोक धीरे-धीरे आगे बढ़कर
मिल गया था युधिष्ठिर में
सिर झुकाए निराश लौटते हैं हम
कि सत्य अंत तक हमसे कुछ नहीं बोला
हाँ, हमने उसके आकार से निकलता वह प्रकाश-पुंज देखा था
हम तक आता हुआ
वह हममें विलीन हुआ या हमसे होता हुआ आगे बढ़ गया
हम कह नहीं सकते ।

8. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं ***दो*** के उत्तर दीजिए : *3+3=6*

(क) 'गीतावली' के पद "जननी निरखति बान धनुहियाँ" के आधार पर राम के वन-गमन के पश्चात् माँ कौशल्या की मनःस्थिति का वर्णन कीजिए ।

(ख) 'निराला' की कविता 'सरोज-स्मृति' की काव्य-पंक्ति "दुख ही जीवन की कथा रही, क्या कहूँ आज, जो नहीं कही !" के आलोक में कवि-हृदय की पीड़ा का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए ।

(ग) 'तोड़ो' कविता में कवि मन में व्याप्त ऊब तथा खीज को तोड़ने की बात क्यों कहता है ? उसे स्पष्ट कीजिए ।

9. निम्नलिखित काव्यांशों में से किन्हीं **दो** का काव्य-सौन्दर्य स्पष्ट कीजिए : *3+3=6*

(क) किसी अलक्षित सूर्य को
देता हुआ अर्घ्य
शताब्दियों से इसी तरह
गंगा के जल में
अपनी एक टाँग पर खड़ा है यह शहर
अपनी दूसरी टाँग से
बिलकुल बेख़बर !

(ख) श्रमित स्वप्न की मधुमाया में,
गहन-विपिन की तरु-छाया में,
पथिक उनींदी श्रुति में किसने —
यह विहाग की तान उठाई ।

(ग) घन आनँद मीत सुजान बिना, सब ही सुख-साज-समाज टरे ।
तब हार पहार से लागत हे, अब आनि कै बीच पहार परे ॥

10. निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : *6*

दुनिया में त्याग नहीं है, प्रेम नहीं है, परार्थ नहीं है, परमार्थ नहीं है — है केवल प्रचंड स्वार्थ । भीतर की जिजीविषा — जीते रहने की प्रचंड इच्छा ही — अगर बड़ी बात हो तो फिर यह सारी बड़ी-बड़ी बोलियाँ, जिनके बल पर दल बनाए जाते हैं, शत्रुमर्दन का अभिनय किया जाता है, देशोद्धार का नारा लगाया जाता है, साहित्य और कला की महिमा गाई जाती है, झूठ है । इसके द्वारा कोई-न-कोई अपना बड़ा स्वार्थ सिद्ध करता है । लेकिन अंतरतर से कोई कह रहा है, ऐसा सोचना ग़लत ढंग से सोचना है । स्वार्थ से भी बड़ी कोई-न-कोई बात अवश्य है, जिजीविषा से भी प्रचंड कोई-न-कोई शक्ति अवश्य है ।

अथवा

उसके चित्र के चमकीले रंग और पार्श्वभूमि की गहरी काली रेखाएँ — दोनों ही यथार्थ जीवन से उत्पन्न होते हैं । इसलिए प्रजापति-कवि गंभीर यथार्थवादी होता है, ऐसा यथार्थवादी जिसके पाँव वर्तमान की धरती पर हैं और आँखें भविष्य के क्षितिज पर लगी हुई हैं । इसलिए मनुष्य साहित्य में अपने सुख-दुख की बात ही नहीं सुनता, वह उसमें आशा का स्वर भी सुनता है । साहित्य थके हुए मनुष्य के लिए विश्रांति ही नहीं है, वह उसे आगे बढ़ने के लिए उत्साहित भी करता है ।

11. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं ***दो*** के उत्तर दीजिए : *4+4=8*

(क) 'जहाँ कोई वापसी नहीं' पाठ के आधार पर प्रकृति के कारण विस्थापन और औद्योगीकरण के कारण विस्थापन में अंतर स्पष्ट कीजिए ।

(ख) ''फणीश्वरनाथ 'रेणु' ने बड़ी बहुरिया की पीड़ा को, उसके भीतर के हाहाकार को संवदिया के माध्यम से अपनी पूरी सहानुभूति प्रदान की है ।'' — इस कथन की समीक्षा कीजिए ।

(ग) ''मनोकामना की गाँठ भी अद्‌भुत, अनूठी है, इधर बाँधो उधर लग जाती है ।'' कथन के आधार पर 'दूसरा देवदास' कहानी की पारो की मनोदशा का चित्रण अपने शब्दों में कीजिए ।

12. सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय' **अथवा** घनानंद के जीवन और रचनाओं का संक्षिप्त परिचय देते हुए उनकी किन्हीं दो प्रमुख काव्यगत विशेषताओं पर प्रकाश डालिए । *6*

अथवा

रामचंद्र शुक्ल **अथवा** भीष्म साहनी के जीवन और रचनाओं का संक्षिप्त परिचय देते हुए उनकी भाषा-शैली की दो प्रमुख विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए ।

13. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं ***तीन*** के उत्तर दीजिए : *3×3=9*

(क) ''यह फूस की राख नहीं, उसकी अभिलाषाओं की राख थी'' — इस कथन का संदर्भ-सहित विवेचन कीजिए ।

(ख) 'आरोहण' कहानी में बूढ़े तिरलोक सिंह को पहाड़ पर चढ़ना जैसी नौकरी की बात अजीब क्यों लगी ?

(ग) 'बिस्कोहर की माटी' के आधार पर बिस्कोहर की बरसात का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए ।

(घ) 'अपना मालवा' में लेखक ने यह क्यों कहा कि अब मालवा में वैसा पानी नहीं गिरता जैसा गिरा करता था ? स्पष्ट कीजिए ।

14. ''खेल में रोना कैसा ? खेल हँसने के लिए, दिल बहलाने के लिए है, रोने के लिए नहीं ।'' इस कथन के आलोक में सूरदास का चरित्र-चित्रण कीजिए । *6*

अथवा

'आरोहण' पाठ के आधार पर सोदाहरण प्रतिपादित कीजिए कि पहाड़ों में जीवन अत्यंत कठिन होता है ।